केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक अंकों में
16					

परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ➔

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ता	एवं निर्धारित मुद्रा
NEETU K 3259	AM 325168002

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 01

रिक्त स्थान :-

(अ) प्लीहा (आमाशय) के पश्च किनारे में पायी जाती है।

(ब) (वृषण) नर जनन अंग है।

(स) मानव नेत्रो को (दृष्टेन्द्रिया) कहा जाता है।

(द) पागल कुत्ते के काटने से (रेबीज) रोग जाता है।

(इ) जीवाणुओ में गति (पक्ष्म) के द्वारा हो है।

(फ) (प्रदूषण) पर्यावरण की गंभीर समस्या है।

मध्यप्रदेश
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 02

सत्य/ असत्य :—

(अ) उत्तर — सत्य ।

(ब) उत्तर — सत्य ।

(स) उत्तर — सत्य ।

(द) उत्तर — असत्य ।

(इ) उत्तर — सत्य ।

(फ) उत्तर — सत्य ।

BSE

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3

सही जोडी :- उत्तर

क्र०	I	क्र०	II
(अ)	श्वास नलिका का ऊपरी भाग है	(ii)	कण्ठ
(ब)	लिंग परीक्षण माना जाता है	(i)	कानूनी अपराध
(स)	रजोधर्म प्रारम्भ होने की आयु	(iv)	14 से 21 वर्ष
(द)	वर्धी प्रजनन	(v)	द्विखण्डन
(इ)	अम्ल वर्षा	(iii)	वायु प्रदूषण

BSE

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYA

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 4

एक वाक्य :—

(अ) उत्तर — **रक्त** :— रक्त एक तरल संयोजी ऊतक होता है जो मानव शरीर मे निरन्तर बहता रहता है रक्त लाल रंग का होता है प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में लगभग 6 लीटर रक्त होना आवश्यक है।

(ब) उत्तर — मानव शरीर में ज्ञानेन्द्रियो की संख्या पाँच होती है — (i) नाक (ii) कान (iii) आँख (iv) त्वचा (v) जीभ।

(स) उत्तर — श्वास दिलाने के लिए 'कृत्रिम श्वसन' प्रयोग लाया जाता है।

(द) उत्तर — पर्यावरण की परिभाषा — मेल्जर के अनुसार —"पर्यावरण उन सभी क्रिया कलापो का सामूहिक परिणाम है। जो मनुष्य की उत्तरजीविका एवं प्रजनन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है"

(इ) उत्तर — मनुष्य मे मस्तिष्क को तीन भागो मे बाँटा गया है।
(i) अग्र मस्तिष्क (ii) मध्य मस्तिष्क (iii) पश्च मस्तिष्क

P.T.O

योग पूर्व पृष्ठ + + = कुल अंक

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 5

सही विकल्प :—

(अ) उत्तर — (iv) 100-120 दिन 1

(ब) उत्तर — (ii) अशुद्ध रक्त 1

(स) उत्तर — (i) दो 1

(द) उत्तर — (ii) आयोडीन 1

(इ) उत्तर — (ii) दो 1

(फ) उत्तर — (i) एड्स 1

B
S
E

मध्यप्रदेश
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 06

उत्तर - **श्वसन का महत्व** :— सजीवों को कार्य करने एवं जीवित रहने के लिए श्वसन की आवश्यकता है। श्वसन क्रिया के द्वारा प्रत्येक कोशिका को आक्सीजन प्राप्त होती है। और भोजन का ज्वलन होता है। भोजन के जलने से इन कोशिकाओ मे ऊर्जा उत्पन्न होती है। इस प्रकार शरीर में ऊर्जा उत्पादन के लिए श्वसन की आवश्यकता होती है। श्वसन क्रिया के फलस्वरूप उत्पन्न कार्बन डाई आक्साइड को उच्छ्वास द्वारा बाहर निकाला जाता है। अतः प्रत्येक जीवधारी को जीवित रहने के लिए श्वसन की आवश्यकता होती

BSE

प्रश्न क्रमांक - 07 (अथवा)

उत्तर - **उद्देश्य** :— प्राथमिक चिकित्सा के उद्देश्य निम्नलिखित

P.T.O

पूर्व पृष्ठ
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

है —

(i) चोटग्रस्त अंगो मे शीघ्र सम्भावित सुधार लाना !

(ii) मानवीय कर्तव्य मे निर्वहन करना !

(iii) आपातकालीन अवस्था को और अधिक बढ़ने बढने ना देना

प्रश्न क्रमांक - 8 (अथवा)

उत्तर — नलिका विहीन ग्रन्थियाँ — हमारे शरीर में कुछ ऐसी ग्रन्थियाँ स्थित होती है जिससे महत्वपूर्ण हार्मोन्स स्त्रावित होते है। किन्तु उन्हे रक्त में ले जाने के लिए कोई नलिकाएँ नही होती और ये सीधे रक्त मे मिल मिल जाती है। इन्हे नलिका विहीन ग्रन्थियाँ कहते है।

BSE

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 9

उत्तर :- विशेषताएँ :- पूर्व किशोरावस्था की दो विशेषताएँ निम्नलिखित है-

(i) पूर्व किशोरावस्था मे नवकिशोर की स्थिति अत्यन्त भ्रामक, अस्पष्ट व अनिश्चित होती है।

(ii) पूर्व किशोरावस्था मे शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन देखे जाते है। जिससे अनेक नवीन लक्षण दिखाई देते है।

प्रश्न क्रमांक - 10

उत्तर :- कोशिका भित्ति :- प्रत्येक जीवाणु मे एक मजबूत व दृढ कोशिका भित्ति पाई जाती है जो सेल्युलोज की बनी होती है कोशिका भित्ती जीवाणुओ का आकार सही बनाए रखती है।

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -11 (अथवा)

उत्तर - बालक - बालिका में समानता के लिए निम्नलिखित प्रयास किया जाना चाहिए —

(i) बालक - बालिका मे असामनता के भेदभाव को समाप्त करना होगा और भ्रूण हत्या पर रोक लगाना होना।

परिवार मे बालको के साथ - साथ बालिकाओं को भी आगे बढने के समान अवसर दिये जाना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक -12

उत्तर - रक्त प्लाज्मा के दो कार्य निम्नलिखित है -

(i) प्लाज्मा मे उपस्थित फाइब्रिनोजन एंव प्रोथोंबिन रक्त का थक्का जमाने में मदद करती है रक्त के

प्रश्न क्र.

अधिक बहने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है।

(ii) अनेक रोगो मे ऐण्टिजन के प्रति ~~प्रतिपिंडि~~ प्रतिपिंडका विष उत्पन्न करके संक्रमण के प्रतिकारक क्षमता बनाए रखने का कार्य प्लाज्मा करता है।

(iii) जीवित कोशिकाओ को पेप्टोन, शर्करा एंव जल देने का कार्य भी प्लाज्मा करता है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 13

उत्तर :- पीलिया रोग के कारण, लक्षण एंव उपचार निम्न. है:-

कारकण :- (i) पित्त की थैली की नली में पथरी ट्यूमर द्वारा रूकावट आने से पीलिया रोग हो जाता है।

(ii) शरीर मे लाल रक्त कणिकाओ के सामान्य से अधिक टूटने एंव हीमोग्लोबिन के नष्ट हो जाने से।

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

लक्षण :— (i) आखे, नाखून एव समस्त शरीर पीला पड जाता है।
(ii) रोगी के पसीने से उसके कपडे पीले पड जाते है।

उपचार :— (i) रोगी को ग्लूकोज, गन्ने का रस एव फलो का रस पीने को देना चाहिए।
(ii) रोगी को बाजार मे बनी हुई खुली भोज्य सामाग्री का सेवन नही करना चाहिए।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 14 (अथवा)

उत्तर :— नर जनन ग्रंथि वृषण होती है एव मादा जनन ग्रंथि अण्डाशय होती है। वृषण एव अण्डाशय का वर्णन निम्नानुसार है—

(i) वृषण :— दो अण्डाकार वृषण शरीर के अन्दर वृषण कोश मे होते है इन वृषणो मे शुक्राणु बनते है और ये शुक्राणु वृषण-

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

कोश के तापमान को बनाये रखते है और शुक्राणु एपिडिडाइमिस नामक नली मे संचित होते है।

(iii) अण्डाशय — अण्डाशय दो होते है ये छोटे व गोल आकार के होते है ये गर्भाशय के दोनो ओर अलग - अलग स्थित होते है। ये गर्भाशय में एक थैली के समान होते है प्रत्येक अण्डकोश में एक अण्ड होता है जो 28 दिन में परिपक्व होता है। अण्डाशय मादा जनन अंग का महत्वपूर्ण अंग है।

BSE

प्रश्न क्रमांक - 15 (अथवा)

उत्तर :— न्यूरोन्स के कार्य निम्नलिखित है,

(i) जब तुम्हारा पैर किसी गर्म वस्तु पर पडता है तो उसे तुरन्त हटा लेते है एव वहा से भागने का प्रयत्न करते हो।

P. T. O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(ii) जब तुम्हारे घुटने मे मारा जाता है तो आपको पीडा होती है।

(iii) जब तुम्हारे हाथो पर पिन चुभाई जाती है तो आपक अ हाथो को तुरन्त हटा लेते हो।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 16 (अथवा)

उत्तर - **महत्व** :- जीवाणओ का उद्योगों में महत्व निम्नलिखित है।

(i) डेयरी व्यवसाय
(ii) ऐसीटिक अम्ल का निर्माण
(iii) चमड़ा उद्योग
(iv) एल्कोहॉल का निर्माण

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

(i) डेयरी व्यवसाय :- कुछ जीवाणु शर्करा के घोल को स्वयं पचाकर लैक्टिक अम्ल उत्पन्न करते है जिससे दूध का प्रोटीन जम जाता है इस प्रकार जीवाणुओ की सहायता से दही, पनीर, मक्खन बनाया जाता है।

(ii) ऐसीटिक अम्ल का निर्माण :- ऐसीटिक अम्ल का निर्माण कर जीवाणु शक्कर के घोल को विखण्डन कर सिरका बनाने में सहायक होते है।

(iii) चमडा उद्योग :- पशुओ की खाल से चमडा बनाने में कुछ जीवाणु अधिक सहायक होते है ये जीवाणु एक प्रकार का एन्जाइम स्थापित करता है जो खाल मे लगे रोम, मॉस को विखण्डित कर देते है।

(iv) एल्कोहाल का निर्माण :- आज एल्कोहाल निर्माण का मुख्य आधार जीवाणु है। जीवाणु एल्कोहाल का निर्माण करते है।

P.T.O

B
S
E

योग

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक -17 (अथवा)

उत्तर - लाभ :- अनुलोम - विलोम प्राणायाम के लाभ निम्नलिखित है -

(i) मन को स्थिरता एंव शान्ति प्रदान करता है।

(ii) प्राण के सभी खुल जाते है एंव मार्ग में रूकावटे दूर होती है।

(iii) अनुलोम - विलोम प्राणायाम फेफडो से निकली अशुद्ध वायु का निष्कासन करती है।

(iv) इकडा इंडा एंव पिंगला के प्राण प्रवाह में सन्तुलन आ जाता है।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - २०

उत्तर - अंतर :- धमनी एंव शिरा में निम्नलिखित अन्तर है -

	धमनी		शिरा
(i)	धमनी मे शुद्ध रक्त बहता है।	(i)	शिरा में अशुद्ध रक्त बहता है।
(ii)	धमनी का रंग लाल या गुलाबी होता है।	(ii)	शिरा का रंग नीला या बैंगनी होता है।
(iii)	धमनियो में रक्त झटके के साथ बहता है।	(iii)	शिराएँ में रक्त एक ही रफ्तार से बहता है।
(iv)	धमनियो रक्त की दीवारे मोटी व लचीली होती है।	(iv)	शिराएँ की दीवारे पतली व कम लचीली होती है।

BSE

P.T.O

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 18

उत्तर - पागल कुत्ते के काटने के लक्षण और उपचार निम्नलिखित है —

(i) लक्षण :— (a) पागल कुत्ते से काटे हुए व्यक्ति को पानी से डर लगता है।

(b) पागल कुत्ते के काटने पर गले मे दर्द होता है।

(c) पागल कुत्ते के काटने पर भोजन निगलने में कठिनाई होती है।

(d) पागल कुत्ते के काटने पर इसके जीवाणु मस्तिष्क मे पहुँच जाते है और मस्तिष्क विकृत होने लगता है।

(ii) उपचार :— (a) काटे हुए स्थान को लटका कर रखना चाहिए।

(b) कुत्ते से काटे हुए स्थान को साबुन के पानी या पानी की धार से धोना चाहिए।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(c) रोगी को उचित मात्रा में ब्राण्डी पीने को देना चाहिए।

(d) ~~रोगी~~ कुत्ते से काटे हुए व्यक्ति को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक - 17

उत्तर — एड्स के कारण एवं बचाव निम्नलिखित है।

कारण :— (i) एड्स से संक्रमित महिला के साथ विवाह करने से।

(ii) एक या एक से अधिक स्त्री या पुरुष के साथ यौन सम्बंध बनाने से।

(iii) दुषित सुई एवं सिरंजो का उपयोग करने से।

(iv) एड्स से ग्रसित महिला का के साथ सहवास करने से।

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

बचाव :— (i) असुरक्षित यौन सम्बंध बनाने से बचना चाहिए

(ii) एड्स से ग्रसित महिला के साथ विवाह नही करना चाहिए।

(iii) किशोर युवक/युवतियो को एड्स के बारे में जानकारी देना चाहिए।

(iv) दूषित सुई एवं सिरजो का उपयोग नही करना चाहिए।

B
S
E